दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 201
मुरादाबाद
(Thursday)
12 November 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को दी बधाई, बताया भाई-बहन के रिश्ते का महत्व



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाई दूज के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस त्योहार को भाई-बहन के बीच प्रेम, आत्मीयता और गहरे रिश्ते की मिठास का प्रतीक बताया। साथ ही सभी के सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को लोगों को भाई दूज की बधाई दी।

उन्होंने कहा कि यह त्योहार भाई-बहन के बीच गहरे रिश्ते की मिठास और आत्मीयता का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने क्या कहा? - प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें लिखा, देश भर के मेरे सभी परिवारजनों को भाई दूज की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। इस पावन अवसर पर मैं सभी की सुख-समृद्धि की कामना करता हूं। उन्होंने आगे कहा, %यह पवित्र त्योहार भाई-बहन के बीच प्रेमपूर्ण और गहरे रिश्ते की मिठास और आत्मीयता का प्रतीक है।% क्या है भाई दूज?- भाई दूज रक्षा बंधन की तरह ही है, जिसमें बहनें अपने भाइयों की कलाई पर धागा बांधती हैं, जो भाई-बहन के बीच के पवित्र रिश्ते को दर्शाता है। भाई दूज के दिन, बहनें अपने भाइयों के माथे पर टीका लगाती हैं, जो उनके प्रति प्रेम और उनके लंबे व स्वस्थ जीवन की प्रार्थना का प्रतीक है

संक्षिप्त समाचार

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की बिगड़ी तबीयत: सुबह टहलते समय गिरकर हुए थे बेहोश, जानें कहां चल रहा है इलाज

देश के पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को स्वास्थ्य संबंधी जांच के लिए दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया है। यह जानकारी सूत्रों के हवाले से सामने आई है। अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती- सूत्रों के अनुसार, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बुधवार को सुबह की सैर के दौरान बेहोश हो गए थे। कुछ मिनटों तक अचेत रहने के बाद उन्हें उनके सुरक्षाकर्मियों द्वारा घर ले जाया गया। इसके बाद, एक चिकित्सा टीम और एम्स के डॉक्टर संदीप सेठ ने उन्हें प्राथमिक उपचार दिया। हालांकि, उनकी स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए उन्हें एम्बुलेंस द्वारा एम्स ले जाया गया।कार्डियो-न्यूरो सेंटर में भर्ती, विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में- 75 वर्षीय पूर्व उपराष्ट्रपति को एम्स के कार्डियो-न्यूरो सेंटर में भर्ती किया गया है। वे वर्तमान में हृदय रोग विभाग के विशेषज्ञों की देखरेख में हैं, जहां उनकी चिकित्सा मूल्यांकन और उपचार जारी है।पूर्व उपराष्ट्रपति के रूप में कार्यकाल- जगदीप धनखड़ ने अगस्त 2022 से जुलाई 2025 तक भारत के 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जुलाई 2025 में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

सीएम योगी के हाथों नियुक्ति पत्र पाकर खिले अभ्यर्थियों के चेहरे, बोले- कहीं पैसा नहीं देना पड़ा



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया के तहत राजस्व विभाग में नवचयनित 1,146 कनिष्ठ सहायकों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया के तहत राजस्व विभाग में नवचयनित 1,146 कनिष्ठ सहायकों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नवचयनित कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र दिए। मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र पाकर नवचयनितों के चेहरे खिल उठे। इस अवसर पर सीएम योगी ने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत विभिन्न जिलों की लाभार्थी महिलाओं को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता के चेक भी प्रदान किए।

वर्षों की मेहनत लाई रंग, भैया दूज पर नियुक्ति पत्र पाकर खिले अभ्यर्थियों के चेहरे-नियुक्ति पत्र पाने वाले नवचयनित कनिष्ठ सहायकों ने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और बिना किसी भ्रष्टाचार की बात कहते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। सीतापुर निवासी विवेक सिंह ने बताया कि वह तीन साल से सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे थे। पूरी भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई है। उन्होंने कहा कि भैया दूज के दिन मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र मिलना उनके लिए बेहद खुशी का पल है। नौकरी मिलने से पूरा परिवार खुश है। गोरखपुर की अंकिता सिंह ने कहा कि मेहनत करने वाले अभ्यर्थियों को नियुक्ति मिली है। तीन साल की तैयारी के बाद उनका सरकारी नौकरी का सपना पूरा हुआ है।आशिया बानो को योगी सरकार में दूसरी बार नौकरी मिली-इसी पद पर चयनित आगरा निवासी आशिया बानो ने कहा कि यह उनके लिए गर्व का क्षण है। वर्तमान में राजस्व लेखपाल के पद पर कार्यरत आशिया बानो की योगी सरकार के कार्यकाल में यह दूसरी बार सरकारी नौकरी मिली है। उन्होंने मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र मिलने को अप्रत्याशित और सुखद अनुभव बताया। वहीं, पीलीभीत निवासी धीरज कुमार ने कहा कि पांच साल की मेहनत के बाद सफलता मिली है। पूरी प्रक्रिया में फॉर्म भरने के अलावा कहीं कोई अतिरिक्त खर्च नहीं हुआ और न ही भ्रष्टाचार हुआ है। कृषक दुर्घटना कल्याण योजना से महिलाओं को मिला आर्थिक संबल- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कृषक दुर्घटना कल्याण योजना की लाभार्थी महिलाओं को आर्थिक सहायता के चेक सौंपे हैं। रायबरेली की पूनम को कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत 5 लाख रुपये का चेक मिला है। उन्होंने बताया कि इस राशि से वह अपने बच्चों की पढ़ाई और परिवार का खर्च चलाएंगी। गुड्डी देवी ने कहा कि सहायता से परिवार का पालन-पोषण और बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित कर सकेंगी। रमाकांती पांडेय ने बताया कि परिवार में कमाने वाला कोई नहीं था, ऐसे में पांच लाख रुपये की मदद से बच्चों की पढ़ाई और घर चलाने में सहारा मिलेगा। अमेठी निवासी सीमा ने भी मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि इस धनराशि से वह अपने बच्चों को पढ़ा सकेंगी।

मोदी सरकार के पैरों तले खिसक चुकी है जमीन, सत्ता का पतन तय', किताब में आरएसएस पर साधा निशाना



सोनिया गांधी ने किताब 'बिलॉन्गिंग- अ जर्नी ऑफ लव' में मोदी सरकार की नीतियों, कार्यशैली और राजनीतिक भविष्य पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया है कि सरकार के पैरों तले से जमीन खिसक चुकी है और सत्ता की असुरक्षा उसके कामकाज में दिखाई दे रही है। सोनिया ने 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के बहुमत से दूर रहने को विपक्षी एकता की बड़ी सफलता बताया। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी का कहना है कि मोदी सरकार के पैरों तले से जमीन खिसक चुकी है। उन्हें पूरा विश्वास है कि यह सत्ता ज्यादा दिन तक टिकने वाली नहीं है। उनका मानना है कि सरकार के कामकाज में उसकी असुरक्षा साफ झलकती है। गांधी ने अपनी किताब 'बिलॉन्गिंग- अ जर्नी ऑफ लव' में लिखा है कि उन्हें महसूस होता है कि नई पीढ़ी निष्पक्षता चाहती है और दमनकारी व्यवस्थाओं तथा अन्याय को खत्म करना चाहती है। मंगलवार को बाजार में आई इस किताब में वह लिखती हैं, %इसमें समय लगेगा, लेकिन मुझे पता है कि हालात बदलेंगे और वे सफल होंगे। वे हमारे देश की आत्मा को वापस लाएंगे और इसके जख्मों को भरेंगे। देश के युवा ही हमारी मुश्किल से हासिल की गई आजादी और बड़ी मेहनत से बनाई गई सामाजिक सद्भावना की रक्षा करेंगे।% सरकार के कदमों में झलकती है असुरक्षा- सोनिया गांधी- गांधी कहती हैं, %इस किताब को लिखते समय भी सरकार यही दावा कर रही है कि उसकी ताकत और लोकप्रियता बरकरार है। लेकिन मेरा मानना है कि उसके पैरों तले से जमीन खिसक चुकी है।

अखिलेश यादव के अयोध्या दौरे से पहले संत समाज की बैठक, कारसेवकों के परिजनों से माफी मांगने की मांग





सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के अयोध्या दौरे को लेकर रामनगरी में हलचल तेज हो गई है। इसे लेकर संत समाज ने बैठक की है और अखिलेश यादव के सामने शर्त रखी है।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के 12 दिसंबर को प्रस्तावित अयोध्या दौरे से पहले संत समाज में हलचल तेज हो गई है। उनके आगमन को लेकर मणिरामदास छावनी में संत-महंतों की बड़ी बैठक शुरू हो गई है। बैठक में अयोध्या के प्रमुख संत-महंत शामिल होकर अखिलेश यादव के दौरे को लेकर अपना पक्ष रख रहे हैं।बैठक में संतों का कहना है कि अखिलेश यादव के अयोध्या आने, रामलला के दर्शन करने और सरयू में स्नान करने पर उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, संतों ने उनके सामने एक शर्त रखी है। उनका कहना है कि अयोध्या आने से पहले अखिलेश यादव रामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान शहीद हुए कारसेवकों के परिजनों से माफी मांगें। इसके बाद ही अयोध्या आकर दर्शन-पूजन करें।संतों का कहना है कि रामजन्मभूमि आंदोलन से जुड़ी घटनाएं अयोध्या की धार्मिक और ऐतिहासिक स्मृतियों का हिस्सा हैं। ऐसे में अखिलेश यादव को कारसेवकों के बलिदान और उनके परिवारों की भावनाओं का सम्मान करते हुए अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए। फिलहाल मणिरामदास छावनी में बैठक जारी है। संतों के रुख और बैठक में होने वाले निर्णय पर सबकी निगाहें टिकी हैं।अखिलेश यादव ने अयोध्या जाने को लेकर दिया ये बयान- इसके पहले, बुधवार को मीडिया को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने 12 दिसंबर को अयोध्या जाने के सवाल पर कहा कि हम तो केदारेश्वर जाएंगे और वृंदावन भी जाएंगे। हमारे लिए पीडीए का मतलब पहले दर्शन और फिर आशीर्वाद है। उन्होंने कहा कि हमारे घर में पहले से ही शिव और रामगोपाल हैं। उनके अयोध्या जाने को लेकर भाजपा नेताओं की ओर से बयानबाजी तेज है।अखिलेश यादव 6 दिसंबर को अयोध्या जाकर पश्चाताप करें%-भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के 12 दिसंबर को अयोध्या जाकर राम मंदिर में दर्शन करने के फैसले पर निशाना साधा है। बल्कि सच्चा पश्चाताप है तो उन्हें 12 दिसंबर के बजाय 6 दिसंबर को अयोध्या जाना चाहिए और कारसेवकों की मौत के लिए माफी मांगनी चाहिए। पंकज चौधरी ने सोशल मीडिया पर कहा कि रामभक्तों की हत्या के लिए माफी मांगे बिना राम मंदिर जाने का कोई भी प्रयास राजनीतिक दिखावे से ज्यादा कुछ नहीं है।

पहले काटने की धमकी, फिर घर पहुंचा चाकू-खंजरः प्रियांक खरगे ने एनएसयूआई का किया बचावः भाजपा पर भी बरसे



कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं द्वारा भाजपा नेता चालावड़ी नारायणस्वामी के घर चाकू भेजने की घटना को एक तीखी प्रतिक्रिया बताया है, हालांकि उन्होंने इस कदम का समर्थन करने से साफ इनकार किया है। इसके साथ ही उन्होंने टीपू सुल्तान के इतिहास और सोनिया गांधी की आत्मकथा को लेकर भाजपा पर जमकर निशाना साधते हुए राज्य में राजनीति को पूरी तरह गरमा दिया है।बंगलूरू में इन दिनों कर्नाटक की राजनीति का पारा सातवें आसमान पर है। मामला तब बिगड़ा जब यूथ कांग्रेस (एनएसयूआई) के कुछ कार्यकर्ताओं ने भाजपा नेता और विधान परिषद में विपक्ष के नेता चालावड़ी नारायणस्वामी के घर पर क्विक-कॉमर्स डिलीवरी एप के जरिए चाकू और खंजर भिजवा दिए। भाजपा नेताओं ने इस पर सख्त ऐतराज जताते हुए पुलिस कमिश्नर के पास औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद से दोनों दलों के बीच जुबानी जंग और तीखी हो गई है। कार्यकर्ताओं के इस कदम को सही तो नहीं ठहराया, लेकिन इसे सीधी प्रतिक्रिया करार दिया। खरगे का साफ कहना था कि पहले भाजपा नेता नारायणस्वामी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को काटकर अरब सागर में फेंकने की धमकी दी थी, जिसके जवाब में कार्यकर्ताओं ने उन्हें हथियार भिजवाए ताकि वो अपना काम आसानी से कर सकें। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कर्नाटक में कानून अपना काम करेगा और इस तरह की भड़काऊ बयानबाजी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।टीपू सुल्तान की जयंती और उनके इतिहास को लेकर राज्य में एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है। गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने भाजपा पर इतिहास को गलत तरीके से पेश करने और राजनीतिक रोटियां सेकने का गंभीर आरोप लगाया है। उनका तर्क है कि टीपू सुल्तान ने अंग्रेजों के खिलाफ चार-चार एंग्लो-मैसूर युद्ध लड़े थे और लालबाग व नंदी जैसी ऐतिहासिक धरोहरों का निर्माण व विकास कराया था, जिन्हें कोई भी चाहकर मिटा नहीं सकता।सोनिया गांधी की आत्मकथा पर क्यों मचा हुआ है घमासान? कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की हालिया आत्मकथा को लेकर भी भाजपा हमलावर मुद्रा में है। इस पर तीखा पलटवार करते हुए प्रियांक खरगे ने कहा कि आत्मकथा किसी भी व्यक्ति के निजी अनुभवों और विचारों का दस्तावेज होती है, जिस पर सवाल उठाना बेमानी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपाके पास इन दिनों कोई दूसरा ठोस मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए वे हर बात को सांप्रदायिक रंग देकर सिर्फ राजनीति चमकाने में लगे हुए हैं।गृह मंत्री ने अपने बयान में राज्य की कानून व्यवस्था की तुलना उत्तर प्रदेश और गुजरात से करते हुए साफ कर दिया कि कर्नाटक में किसी को भी बेलगाम बयानबाजी करने की छूट नहीं मिलेगी। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि अगर कोई यह सोचता है कि वह कुछ भी अनाप-शनाप बोलेगा और उस पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होगी, तो यह उसकी गलतफहमी है, क्योंकि कर्नाटक में कानून का राज सर्वोपरि है।

संपादकीय Editorial

With health standards

Thankfully, the Food Safety Department is increasing its vigilance, otherwise even honey can become infested with insects. Food quality standards plummet during Himachal's festive season, and counterfeit goods are easily in circulation due to demand and supply. If cockroaches are found in kitchen utensils in Mandi city, such negligence should be held accountable year-round. Tourists visit Himachal year-round, so monitoring only during one festival will not suffice. Vegetables, cheese, khoya, yogurt, milk, and ghee should be used according to standards, but inspections are often lacking during periods of increased demand. Food items sold on roadside carts across the state, almost year-round, raise many concerns. These carts should be regularly inspected, not just issued guidelines for the sale of tikkis, samosas, and burgers in the open. The sale of the most popular items, momos and siddus, needs inspection. While there's no accounting, nor is there any awareness, of how many patients fast food is contributing to each year, it's still necessary to at least investigate where and in what condition cabbage, capsicum, or carrots are being supplied year-round. Along with health standards, it's crucial to ensure that tourists aren't served anything that's unhealthy. Many types of salt and food additives are also being used carelessly. Fast food has reduced the meaning of cooking to a matter of minutes. Overheated and hastily prepared dishes often cause irritation to the stomach and intestines.

Of course, the long queues at doctors' offices during this time are solely related to foodborne illnesses. In Himachal, the demand for flour, cabbage, capsicum, khoya, paneer, milk, yogurt, chicken, bread, and bakery products is rapidly increasing. On a daily basis, numerous vehicles arrive early in the morning loaded with such supplies, but there's no checking system in place. Food safety surveillance should operate from night to morning. A shopkeeper's kitchen should be inspected, but thousands of tons of food arriving from night to morning should also be inspected. It's a different matter that during Diwali and other festivals, some rituals are performed in the name of food safety, whereas as a tourist state, there should be a complete system for daily inspections of the entire food supply process, from the supply of food to its final product. Laboratories are being upgraded in this regard, but this, like the prevention of drug abuse, needs to be transformed into a campaign. On the other hand, the Health Department and Medical University should conduct research and produce a detailed survey report on Himachal's changing eating habits. For example, the health risks posed by a single momo cart across the state should be assessed. The Education Department should, along with the school curriculum, raise awareness among students about the dangers of eating habits, fast food, and all types of packaged goods available in the market. However, with the market seeking to trade in Diwali greetings, efforts must be made swiftly to curb the influx of counterfeit products. Medicines manufactured in Himachal Pradesh are already proving that the state's drug control system is not fully competent. Similarly, departmental strengthening is needed, including strengthening food safety and control measures. The public is also urged to celebrate Diwali this year with health and environmental standards in mind.

Spreading Light All Around

As Diwali, the biggest festival of happiness, peace, prosperity, and the aspiration for prosperity, continues to grow year after year, its acceptance is now gaining traction internationally. Heads of state from various countries extend greetings to Indians on this occasion. This is happening because the world is recognizing that Diwali is India's greatest and unique festival, representing its ancient and rich culture. It is the right time to popularize this festival internationally. Diwali has all the elements that have the potential to make it a center of attraction for everyone. Firstly, it wishes for happiness, peace, and prosperity for all, and secondly, it inspires us to illuminate the darkness within and outside of life. This is why every corner of the country, from villages to cities, is illuminated on Diwali night, sometimes with the light of diyas, sometimes with the colorful and shimmering lights of electricity.

This festival also reminds everyone to ensure that, while enlightening and delighting themselves, they also ensure that the lamps of happiness and harmony are lit in the lives of others, spreading light everywhere—the spirit of joy and harmony. Diwali's growing international significance and global acceptance.

This festival symbolizes happiness, peace, prosperity, and sharing of joy. Ayodhya is attempting to attract foreign tourists with the festival of lights. This festival also reminds everyone to ensure that, while enlightening and delighting themselves, they also light the lamps of happiness in the lives of others, spreading the light of joy and harmony everywhere. This is why gifts and sweets are exchanged on Diwali. Along with this, good wishes are also exchanged. In this sequence, friends, acquaintances, and relatives are remembered.

The spirit of thinking about the well-being of loved ones as well as strangers and sharing happiness with them makes the festival of lights even more special. This is the spirit the entire world needs today. Everyone must understand that, along with one's own happiness, one must also be concerned about the happiness of others. While all our festivals inspire us to adapt our lifestyles to ancient traditions and changing natural conditions, and to remain a carrier of our millennia-old culture, Diwali does this even more effectively. As the largest festival, it also provides a significant boost to the economy.The government should make special efforts to increase the international appeal of such a festival and attract a large number of foreign tourists to India during Diwali. This is especially so becausenturies-old ambition of building a grand Ram Temple in Ayodhya has been fulfilled and the grand celebration of Deepotsav there every year has further enhanced its appeal. With the hope that the glory of India and Indians will increase with the aura of Deepotsav, heartiest greetings of Diwali to everyone.

Trump's defeat brings hope for better days

The increased investor interest in India due to the changed political situation in the US is like a Diwali gift for the Indian economy. Trump's party lost the US midterm elections. The Indian stock market surged, oil prices fell, and there are new possibilities for improving India-US trade relations. The recent surge in the stock market is like a Diwali gift for Indian investors. This happened because the defeat of Trump's party, the Republican Party, in the US midterm elections led to a decrease in oil prices. India will benefit from this. The rapid construction of data centers by AI companies became an issue during the US midterm elections because they consume a lot of electricity and water. American citizens protested this, and the Democratic Party capitalized on their concerns. After the Democrats gained control of both houses of Parliament, it is believed that regulations for AI companies' data centers will be stricter. This led to a decline in the shares of AI companies in the US.

As a result, stock markets in other countries also fell, but this did not happen in India because investors received the message that withdrawing money from risky AI stocks and investing it in India was a safe option. Because the returns on the billions of dollars of capital investment being made by companies in the US, Taiwan, and other countries on chips, servers, and data centers were being questioned. In contrast, the Indian IT and services sector model is such that it is not exposed to the risks associated with data center or chip manufacturing. This is why the Indian stock market did not experience the same decline as in other countries. The increased interest of investors in India due to the changed political situation in the US is good news for the Indian economy. It is even better that this news comes before the festival of happiness and prosperity, Diwali.

The number of middle class in India has grown rapidly in recent years. A segment of this class invests in the stock market through mutual funds. These investors were sleepless due to the long-standing uncertainty in the stock market. Trump's policies were a major reason for this uncertainty. The war he waged against Iran disrupted the Sea of ??Hormuz, a route carrying energy from West Asia. This led to a rise in prices of petrol, diesel, and gas, negatively impacting the global economy. Furthermore, the sanctions Trump imposed on Iran and other countries trading with it to contain it also exacerbated economic problems. The hopes of reduced global instability, which were raised by Trump's setback in the midterm elections, also had a positive impact on the Indian stock market. Furthermore, the prospect of normalizing relations between the US and India, which Trump suffered, also encouraged Indian businesses. Trump was stubborn about the trade deal, but India resisted his pressure. Since Democrats oppose Trump's tariff policy and understand India's importance, they could pressure Trump to quickly finalize the stalled trade deal. If this happens, the Indian economy will receive a further boost.

However, it's unclear whether Trump's attitude will change after losing the midterm elections, as he is known for his arbitrariness. Since becoming president for the second time, Trump, in his quest to strengthen the American economy, has taken steps that have backfired. He ignored the fact that his arbitrary tariff policies are affecting his own marginalized and middle-class citizens the most. While imposing arbitrary tariffs on friendly countries has led to higher prices for essential commodities in the US, his offensive against Iran has also led to higher prices for petrol, diesel, and gas. Trump has, in a way, contributed to inflation in both the US and other countries. His strict policies against immigrants have also angered many Americans. The way the Trump administration has continued to harass people from other countries who have come to the US legally has appeased his staunch supporters who believed such policies would make America great again, but a segment of American society has turned against him, recognizing the significant contribution immigrants make to America's progress.

Indians are prominent among these immigrants, but the Trump administration has shown hostility towards them as well. This has turned against him even those Indians who supported him two years ago. While many believe Trump will soften his stance, given his personality, it's doubtful he will improve. The US Constitution grants the president unlimited authority. Trump is indicating he will use his veto power. He can continue his arbitrary actions with the help of this veto power, as it could have been curbed if the Democratic Party had secured a two-thirds majority in Congress. Since this did not happen, Trump could further exacerbate global problems during his remaining two years in office.

Trump is unable to maintain a confrontational situation with Iran any longer, as his allies, worried about their political futures, are uneasy about this situation. Among them is Vice President J.D. Vance. He blamed the Iran war for his defeat in the midterm elections. Trump did not dismiss his views, but defended his Iran policy. Trump is the first president in American democratic history to do so. He has emerged as a tyrant who prioritized personal financial interests over American interests. He coveted the Nobel Peace Prize for himself, yet destabilized the world. India must remain vigilant, as only time will tell whether pressure from the Democratic Party nd Republican leaders' concerns about their own political futures can bring Trump back to the right path.

ओवैसी–चंद्रशेखर का गठबंधन वोटकटवा, अखिलेश को किसी इजाजत की जरूरत नहीं', सपा सांसद रुचि वीरा का बड़ा बयान



सपा सांसद रुचि वीरा ने ओवैसी-चंद्रशेखर गठबंधन को वोटकटवा करार देते हुए कहा कि भगवान राम किसी की बपौती नहीं हैं और अखिलेश यादव को मंदिर जाने के लिए भाजपा की अनुमति की आवश्यकता नहीं है।मुरादाबाद लोकसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी की सांसद रुचि वीरा ने भगवान श्रीराम करोड़ों लोगों की दिलों में बसे हैं। भाजप की बपौती नहीं है। इसलिए हमारे नेता को श्री राम मंदिर जाने के लिए किसी की अनुमति लेने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद के गठबंधन पर तीखा हमला बोला। इस गठबंधन को वोट कटवा बताते हुए कहा कि सपा के प्रभाव वाली और मुस्लिम विधायकों वाली विधानसभा सीटों पर ही रैलियां करने के पीछे की मंशा किसी से छिपी नहीं है।इन दलों को भाजपा सरकार की कार्यशैली से कोई शिकायत नहीं- बुधवार को सिविल लाइंस स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर ये दल किसे फायदा पहुंचाना चाहते हैं? उन्होंने कहा कि जनता अब सब समझ चुकी है और इस बार एक भी वोट खराब नहीं करेगी।रुचि वीरा ने कहा कि इन दलों को भाजपा सरकार की कार्यशैली से कोई शिकायत नहीं है। वे हमेशा समाजवादी पार्टी पर ही उंगली उठाते हैं। विधानसभा चुनाव में मुकाबला सपा और भाजपा के बीच आमने-सामने होगा। मतदाता अखिलेश यादव के काम के आधार पर वोट देगा, न कि वोट कटवा दलों को।

भगवान श्रीराम भाजपा की बपौती नहीं- सपा मुखिया अखिलेश यादव के अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर जाने के सवाल पर रुचि वीरा ने कहा कि भगवान श्रीराम भाजपा की बपौती नहीं हैं। अखिलेश यादव को राम मंदिर में दर्शन करने के लिए भाजपा की अनुमति लेने की जरूरत नहीं है, जब उनका बुलावा आएगा, वह दर्शन करने जाएंगे।

उन्होंने कहा कि किसी को इस गलतफहमी में नहीं रहना चाहिए कि अखिलेश यादव के मंदिर जाने से मुस्लिम समाज नाराज हो जाएगा। बाबरी मस्जिद विध्वंस के समय कारसेवकों पर गोली चलवाने के फैसले पर उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव का बचाव किया। कहा कि उस समय कानून व्यवस्था बनाए रखने और संविधान की रक्षा के लिए जो जरूरी था, तत्कालीन सरकार ने वही किया था।

मुरादाबाद में जालसाजी: सीज ट्रक को नकली दस्तावेजों से छुड़ा ले गए बदमाश, असली मालिक पहुंचा तो हुआ खुलासा



मुरादाबाद में वन विभाग द्वारा सीज किया गया एक ट्रक फर्जी दस्तावेजों के सहारे छुड़ा लिया गया।

असली मालिक के पहुंचने पर इसका खुलासा हुआ, जिसके बाद दो आरोपियों के खिलाफ जालसाजी और धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है।वन विभाग द्वारा सीज ट्रक फर्जी दस्तावेजों से छुड़ाया गया।

असली मालिक को ट्रक लेने पहुंचने पर जालसाजी का पता चला।

दो आरोपियों दिलीप शर्मा, वीरेंद्र पर जालसाजी, धमकी का केस।वन विभाग ने जिस ट्रक को सीज किया उसे फर्जी दस्तावेजों के सहारे कोई और छुड़ा ले गया। आरोप है, कि दो लोगों ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर ट्रक को पांच दिसंबर 2025 को विभाग से छुड़ा लिया। ट्रक लेने पहुंचने पर मालिक को इसका पता चला। सिविल लाइंस थाने में दो आरोपितों के खिलाफ जालसाजी और धमकी समेत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

नई दिल्ली निवासी जावेद अली का ट्रांसपोर्ट का कारोबार है। उनके अनुसार, फरवरी 2025 में ओवरलोडिंग के कारण उनका ट्रक(एचआर-58-सी-0446) वन विभाग ने बंद कर दिया था।

ट्रक को रिलीज कराने के लिए उन्होंने काफी कानूनी प्रयास किए, लेकिन कारोबार में नुकसान होने के कारण कुछ समय तक उसे छुड़ाने नहीं पहुंच सके। दिसंबर 2025 में जब वह वन विभाग पहुंचे तो पता चला कि उनका ट्रक पांच दिसंबर को ही रिलीज किया जा चुका है।जानकारी पर पता चला कि टीला मोड़, गाजियाबाद निवासी दिलीप शर्मा और बुलंदशहर के वीरेंद्र उर्फ बंटी ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर ट्रैक रिलीज करा लिया। उन्होंने ट्रक वापस लेने के लिए आरोपितों से संपर्क किया, लेकिन ट्रक नहीं लौटाया गया। उल्टे कार्रवाई करने पर जान से मारने की धमकी दी गई।

यूपी जनगणना 2027: अब स्काउट-गाइड बताएंगे कैसे करें अपनी गणना, मिला 10-10 परिवारों का लक्ष्य



जनगणना-2027 में स्काउट एवं गाइड अहम भूमिका निभाएंगे, लोगों को ऑनलाइन स्वगणना के लिए जागरूक करेंगे।स्काउट गाइड जनगणना 2027 में निभाएंगे अहम भूमिका।

प्रत्येक स्काउट 10 परिवारों को स्वगणना हेतु प्रेरित करेगा।

उत्कृष्ट टीमों को जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

जनगणना-2027 में अब स्काउट एवं गाइड भी अहम भूमिका निभाएंगे। जनगणना के आंकड़े जुटाने से पहले लोगों को खुद अपनी जानकारी दर्ज करने के लिए जागरूक करने की जिम्मेदारी इनके कंधों पर होगी। प्रत्येक स्काउट कम से कम 10 परिवारों तक पहुंचेगा और उन्हें ऑनलाइन स्वगणना की प्रक्रिया समझाकर जानकारी दर्ज कराने के लिए प्रेरित करेगा। इस तरह एक स्काउट के प्रयास से 10 परिवार जनगणना की प्रक्रिया से जुड़ सकेंगे। अभियान में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम को जिलाधिकारी सम्मानित करेंगे।जनगणना-2027 और निर्वाचन संबंधी जागरूकता कार्यक्रमों में स्काउट एवं गाइड की भागीदारी को लेकर रणनीति बना ली गई है। जिलाधिकारी ने सामाजिक जागरूकता और जनभागीदारी बढ़ाने में स्काउट एवं गाइड की महत्वपूर्ण भूमिका को अहम बताया है।कहना है कि स्काउट-गाइड की सक्रियता से सरकारी अभियानों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाई जा सकती है। जनपद में 16 से 30 नवंबर तक स्वगणना अभियान संचालित किया जाएगा। इसमें परिवारों को अपनी जानकारी स्वयं आनलाइन दर्ज करने का अवसर मिलेगा।कई लोगों को आनलाइन प्रक्रिया की जानकारी नहीं होने के कारण परेशानी हो सकती है। ऐसे में स्काउट एवं गाइड उन्हें प्रक्रिया समझाएंगे और स्वगणना के लिए प्रोत्साहित करेंगे। प्रत्येक सदस्य को कम से कम 10 परिवारों की स्वगणना कराने में सहयोग करना होगा।टीमों के प्रदर्शन के आधार पर उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। 26 से 28 नवंबर तक निकलेंगी स्काउट-गाइड की रैली बैठक में 26, 27 और 28 नवंबर को प्रस्तावित स्काउट एवं गाइड की जिला रैली को लेकर भी चर्चा हुई।जिलाधिकारी ने आयोजन के लिए पहले से विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी से अनुमोदन लेकर सभी कार्यक्रमों को सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित कराया जाएगा। उन्होंने यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने में स्काउट एवं गाइड के योगदान की भी सराहना की। निर्वाचन से जुड़े जागरूकता कार्यक्रमों में भी इनकी सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

रुड़की से चल रहा था कोडीन सीरप की तस्करी का खेल, 5 माह में मुरादाबाद सप्लाई हुईं 10 हजार से ज्यादा शीशियां



रुड़की से कोडीन सीरप लाकर मुरादाबाद और रामपुर में बेच रहा गिरोह बीते पांच माह में एक हजार से अधिक शीशी मुरादाबाद आई है।हरिद्वार के रुड़की से कोडीन सीरप लाकर मुरादाबाद और रामपुर में बेच रहा गिरोह बीते पांच माह में एक हजार से अधिक शीशी मुरादाबाद आई है। यह सभी शीशी हरिद्वार के रुड़की से ही आई थी। मुख्य आरोपित आसिफ और नवाज की तलाश में पुलिस लगी हुई है।

इन दोनों की गिरफ्तारी के बाद ही पुलिस को पता चलेगा कि यह कोडीन सीरप कहां-कहां पर भेजे जा रहे थे। अभी तक की जांच में पता चला कि इस गिरोह से तीन ही आरोपित जुड़े हुए नहीं है। उनकी संख्या कही अधिक है। क्योंकि रामपुर में कोडीन सीरप पहुंचाने की जिम्मेदारी किसी और के पास थी।मूंढापांडे क्षेत्र के गांव सक्टूनगला निवासी नवाज ने इसी साल अप्रैल माह में भोजपुर में मेडिकल चलाने के लिए स्वास्थ्य विभाग से लाइसेंस लिया था। मेडिकल में गांव के ही आसिफ को हिस्सेदार बनाया था, लेकिन लाइसेंस लेने के बाद दोनों ने कोडीन कप सीरप की सप्लाई करनी शुरू कर दी।जिस कमरे को दिखाकर मेडिकल का लाइसेंस लिया था वह खाली पड़ा हुआ है। दोनों कृष्णा विहार कालोनी टोल प्लाजा के पास भगवानपुर रुड़की हरिद्वार से राणा नाम के व्यक्ति से कोडीन कप सीरप लेते थे। कप सीरप हनुमान मूर्ति स्थित सिद्दीकी ट्रांसपोर्ट के माध्यम से मुरादाबाद तक आता था।

यहां से फहीम निवासी करूला कटघर अपनी कार में कप सीरप रखने के बाद आरोपितों के बताए हुए स्थान पर पहुंचाता था। रुड़की से सीरप की खेप शनिवार सुबह मुरादाबाद पहुंची। जानकारी के बाद पुलिस ने दबिश दी तो फहीम को उसकी कार के साथ पकड़ लिया था। कार में कोडीन कप सीरप की दो हजार शीशी रखी हुई थी। जिन्हें वह भोजपुर लेकर जा रहा था। वहां से फिर यह सीरप मुरादाबाद व रामपुर जिले में जाता। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि इस गिरोह में कई लोग शामिल हो सकते हैं। मुख्य आरोपित अभी तक फरार है। दोनों आरोपितों की तलाश में पुलिस की टीम लगी हुई है। दोनों की गिरफ्तारी के बाद ही कुछ और जानकारी मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

यूपी में चमका मुरादाबाद: CM डैशबोर्ड की अक्टूबर रैंकिंग में 10वें नंबर पर, डीएम अनुनय झा ने कही यह बात



मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की अक्टूबर माह की रैंकिंग में मुरादाबाद ने प्रदेश के 75 जिलों में दसवां स्थान हासिल किया है। जिले को विकास कार्यों में 18वां और राजस्व कार्यों में छठा स्थान मिला, जिससे कुल 8.99 अंक प्राप्त हुए। सितंबर में भी इसी स्थान पर था, मंडल का जनपद रामपुर तीसरे स्थान पर मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की अक्टूबर माह की रैंकिंग में मुरादाबाद ने प्रदेश के 75 जिलों में दसवां स्थान हासिल किया है। जिले को 10 में से 8.99 अंक मिले हैं। विकास और राजस्व कार्यों की संयुक्त रैंकिंग में जिला भले ही शीर्ष दस में जगह बनाने में सफल रहा, लेकिन दोनों श्रेणियों के प्रदर्शन में बड़ा अंतर सामने आया है। विकास कार्यों में जिला 18वें स्थान पर है, जबकि राजस्व कार्यों में छठे पायदान पर पहुंचा है। डैशबोर्ड पर जारी आंकड़ों के मुताबिक विकास कार्यों से संबंधित योजनाओं में मुरादाबाद की रैंक 18 रही। वहीं राजस्व से जुड़े कार्यों में छठा स्थान मिला है। इससे स्पष्ट है कि राजस्व विभाग के कार्यों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत बेहतर रहा, जबकि विकास योजनाओं की प्रगति में अभी सुधार की गुंजाइश है। जिले की संयुक्त रैंकिंग में विकास और राजस्व दोनों श्रेणियों का प्रदर्शन महत्वपूर्ण है। ऐसे में विकास कार्यों की रैंकिंग में सुधार के लिए विभागवार समीक्षा और योजनाओं की प्रगति पर निगरानी जरूरी होगी। प्रदेश की संयुक्त रैंकिंग में बरेली ने 9.37 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया है।

पीलीभीत दूसरे और रामपुर तीसरे स्थान पर है। शाहजहांपुर चौथे और ललितपुर पांचवें स्थान पर रहे। मुरादाबाद ने 8.99 अंकों के साथ दसवां स्थान हासिल कर शीर्ष दस जिलों में अपनी जगह बनाई है। पड़ोसी रामपुर प्रदेश में तीसरे स्थान पर- मंडल के रामपुर जिले ने 9.12 अंकों के साथ प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल किया है। इससे मंडल के जिलों के प्रदर्शन में भी अंतर सामने आया है। विकास एवं राजस्व कार्यो की लगातार समीक्षा की जा रही है। जिले को 10वां स्थान प्राप्त हुआ है। - अनुनय झा, डीएम

भतीजे ने ताऊ की तलवार से वार कर की हत्या

क्षेत्र के गांव जगेसर में शनिवार रात पारिवारिक विवाद के दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे 70 वर्षीय बुजुर्ग की उनके ही सगे भतीजे ने तलवार से हमला कर हत्या कर दी। बुजुर्ग के सीने पर तलवार से कई वार किए गए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें सीएचसी शाहबाद लेकर पहुंचे। यहां से रेफर किए जाने के बाद रामपुर में उनका उपचार कराया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। क्षेत्र के गांव जगेसर में शनिवार रात पारिवारिक विवाद के दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे 70 वर्षीय बुजुर्ग की उनके ही सगे भतीजे ने तलवार से हमला कर हत्या कर दी। बुजुर्ग के सीने पर तलवार से कई वार किए गए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें सीएचसी शाहबाद लेकर पहुंचे। यहां से रेफर किए जाने के बाद रामपुर में उनका उपचार कराया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। हालांकि पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है। मृतक के बेटे महावीर के मुताबिक, शनिवार रात करीब 8:30 बजे गांव जगेसर में रामस्वरूप के परिवार और उनके सगे भतीजे व छोटे भाई के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। शोर-शराबा सुनकर 70 वर्षीय रामस्वरूप मौके पर पहुंचे। वह दोनों पक्षों को समझाकर विवाद शांत कराने का प्रयास करने लगे।आरोप है कि इसी दौरान रामस्वरूप के सगे भतीजे ने अपने घर से तलवार निकाल ली और उनके सीने पर कई वार कर दिए। हमले में रामस्वरूप गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। अचानक हुई घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। परिजन आनन-फानन में उन्हें सीएचसी शाहबाद लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए रेफर कर दिया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

78 पीड़ित अन्नदाता किसान परिवारों को मिला आर्थिक सुरक्षा कवच

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली।(ब्यूरो) कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के राज्यस्तरीय सहायता वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया। कार्यक्रम के तुरंत बाद जनपद के जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में 78 पात्र लाभार्थियों व उनके आश्रितों को आर्थिक सहायता के स्वीकृति पत्र वितरित किए गए।

योजना का मुख्य उद्देश्य परिवार के कमाऊ किसान की असमय मृत्यु या दिव्यांगता पर आश्रितों को तुरंत आर्थिक संबल प्रदान करना है।

तहसीलवार लाभार्थियों का विवरण= सदर (10)= रिकी, पूनम देवी, लौंग श्री, ज्ञानवती, राधा, राखी, गुड्डी देवी, रऊफ, अफसाना, कलमेश उर्फ कमलेश।

फरीदपुर (18)= बिट्टू, पूनम देवी, सोमवती, पोशाकी, किताब कली, ओमवती, स्वाती, सोमवती, मैकूलाल, राजवती, उर्मिला, जुगुल किशोरी, मुन्नी देवी, उर्मिला, नीलम, मनीषा, मोरवती, मीना देवी।

मीरगंज (19)- अनु कुमारी, भगवानदेई, राममूर्ति, शिवम कुमार, जमुना देवी, दीक्षा, श्वेता सक्सेना, एहसान खान, शहाना, मुन्नी देवी, भारती देवी, पुष्पा, गुड़िया, हिना बी, रेशमा बी, विमला देवी, सोमवती, अमीर बानो, विमला।

आंवला (19)- नमा सिंह, सचिन सिंह, ममता, कुसुमलता, फरजाना, जया मौर्य, रामवती, माया देवी, ओमवती, रेखा, डल्लो देवी, गुड़िया पाल, महेश, रेखा देवी, प्रेमराज, गुड्डी, लक्ष्मी देवी, सरोज देवी, वीरू।

बहेड़ी (8)- तारावती, आशा देवी, पूनम, भूपदेवी, कमलेश देवी, जैवुन, फरीना बानो, जशोदा देवी।

नवाबगंज (4)= मुन्ना लाल, चित्रा देवी, हरप्यारी देवी, गीता देवी।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक समयबद्ध रूप से पहुंचाने का प्रयास जारी है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्षा रश्मि पटेल, जिलाधिकारी अविनाश सिंह और अपर जिलाधिकारी नगर डॉ. अविनाश त्रिपाठी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

जिला कारागार की चार दीवारी में छलका भाई-बहन का प्यार ; सलाखों के पीछे मनी अनोखी भाई-दूज

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का पावन पर्व भाई-दूज आज जिला कारागार में बेहद भावुक और हर्षोल्लास भरे माहौल में मनाया गया। सलाखों के पीछे बंद अपनों से मिलने जब बहनें और परिजन पहुंचे, तो माहौल खुशी और आंसुओं से भर गया। जेल प्रशासन की विशेष व्यवस्थाओं के बीच सैकड़ों बहनों ने अपने बंदी भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र की कामना की।

बरेली जिला कारागार में भाई-दूज के मौके पर आज सुबह से ही रौनक देखने को मिली। जेल अधीक्षक आलोक कुमार शुक्ला की देखरेख में कारागार प्रशासन ने परिजनों की सुविधा के लिए पुख्ता इंतजाम किए थे। जेल परिसर में हेल्प डेस्क स्थापित कर परिजनों का मार्गदर्शन किया गया। बहनों को पूजा के लिए रोली, दीपक और आरती की सामग्री जेल प्रशासन की ओर से उपलब्ध कराई गई।

परिजनों के बैठने के लिए विशेष रूप से टेंट लगाए गए, जमीन पर कारपेट बिछाई गई और पीने के पानी के लिए वाटर कूलर की व्यवस्था की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार सुरक्षा के भी कड़े और सतर्क इंतजाम रहे, जिसमें जिला व पुलिस प्रशासन का पूरा सहयोग मिला। 272 पुरुष बंदी एवं 6 महिला बंदी। मुलाकात करने वाले परिजन= 535 वयस्क एवं 240 बच्चे। ?इसके अलावा 6 पुरुष परिजनों ने जेल में बंद अपनी बहनों से भी मुलाकात की।

ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मियों और कर्मचारियों के लिए भी अल्पाहार और भोजन की व्यवस्था की गई। इस भावुक और अनुशासित आयोजन के दौरान जेल अधीक्षक आलोक कुमार शुक्ला, जेलर आनन्द सिंह, जेलर सुशील कुमार वर्मा, उप जेलर वीरेश्वर प्रताप सिंह, देवदत्त, रामगोपाल सिंह, हेड जेल वार्डर और जेल वार्डर अशोक कुमार शुक्ला समेत सभी अधिकारी पूरी मुस्तैदी से डटे रहे। कड़ी सुरक्षा और जेल की ऊंची दीवारों के बीच भाई-दूज का यह त्योहार सांस्कृतिक रीति-रिवाजों और आपसी प्रेम के साथ शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

हरदोई में भीषण सड़क हादसा: गंगा एक्सप्रेस-वे पर अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकराई, दंपती समेत चार की मौत

यूपी के हरदोई जिले में एक कार हादसे का शिकार हो गई। दुर्घटना में कार सवार दंपती समेत चार लोगों की मौत हो गई। गंगा एक्सप्रेस-वे पर सांडी थाना क्षेत्र में किलोमीटर संख्या 317 पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। घटना में कार सवार दंपती और उनके दो बच्चों की मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने मदद के लिए देर से पहुंचने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया और यूपीडा के वाहन को पलट दिया।प्रयागराज के मुड़ैरा निवासी सौरभ उपाध्याय एक साफ्टवेयर कंपनी चलाते थे और नोएडा में परिवार समेत रहते थे। छठ पूजा के लिए वह पत्नी मेनका, दो बेटों शिवओम और व्योम उपाध्याय के साथ बुधवार को नोएडा से प्रयागराज जाने को निकले थे। गंगा एक्सप्रेस-वे पर कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। सौरभ और मेनका की मौके पर ही मौत हो गई। शिवओम ने सांडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और व्योम ने मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ दिया।



किसान ध्यान दें: गेहूं की खेती में बचाएं खाद का खर्च, वैज्ञानिकों ने बताया डीएपी 40% तक घटाने का तरीका

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने गेहूं की खेती में खाद की खपत और लागत कम करने के लिए नैनो डीएपी व तरल



एनपीके कंसोर्टिया से बीज उपचार की सलाह दी है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस तकनीक से परंपरागत डीएपी की खपत 40 प्रतिशत तक कम करने में मदद मिल सकती है और फसल के अंकुरण व जड़ों के विकास को बढ़ावा मिलता है। गेहूं की खेती में खाद पर होने वाला खर्च कम करने और फसल की अच्छी बढ़वार के लिए किसानों को बीज उपचार की वैज्ञानिक तकनीक अपनाने की सलाह दी गई है। कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष और वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राजेंद्र सिंह चौहान के अनुसार, नैनो डीएपी और तरल एनपीके कंसोर्टिया (जैव उर्वरक) के इस्तेमाल से परंपरागत डीएपी की खपत 40 प्रतिशत तक कम करने में मदद मिल सकती है।डॉ. चौहान ने बताया कि गेहूं की बुवाई के समय किसान अक्सर डीएपी और यूरिया का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। इससे खेती की लागत बढ़ने के साथ मिट्टी की सेहत भी प्रभावित होती है। रबी मौसम में खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को उर्वरकों का संतुलित इस्तेमाल करने और वैज्ञानिक तकनीक अपनाने के लिए जागरूक किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि बीज उपचार के लिए प्रति किलो गेहूं के बीज पर 5 मिलीलीटर नैनो डीएपी की जरूरत होती है। इस तरह 40 किलो बीज के उपचार के लिए 200 मिलीलीटर नैनो डीएपी पर्याप्त है। इसके साथ 200 मिलीलीटर तरल एनपीके कंसोर्टिया और 200 मिलीलीटर पानी मिलाकर घोल तैयार करना चाहिए। इस घोल का बीज पर समान रूप से छिड़काव करें, ताकि प्रत्येक बीज पर इसकी परत चढ़ जाए।उपचार के बाद बीज को छाया में सुखाकर बुवाई करनी चाहिए। डॉ. चौहान के अनुसार, बीज उपचार से अंकुरण और जड़ों के विकास में मदद मिलती है। इससे शुरुआती अवस्था में पौधों को पोषक तत्व उपलब्ध कराने में सहायता मिलती है। उन्होंने गेहूं की डीबीडब्ल्यू-327 किस्म का उदाहरण देते हुए बताया कि पिछले वर्ष इसका उत्पादन 56.45 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रहा था।उन्होंने स्पष्ट किया है कि बीज उपचार के बावजूद बुवाई के समय मिट्टी की जरूरत और कृषि विभाग की अनुशंसाओं के अनुसार उर्वरकों का इस्तेमाल करना चाहिए। फसल की बढ़वार के लिए 35 से 40 दिन बाद नैनो डीएपी का पत्तियों पर छिड़काव भी किया जा सकता है।

बाइक बिजली के खंभे से टकरा बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत एक घायल

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो) भाई दूज के दिन भीषण सड़क हादसा हुआ. इस हादसे में एक तेज रफ्तार बाइक सड़क के किनारे खड़े बिजली के खंभे से टकरा गई। इससे बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं तीसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा बरेली में शाही थाना क्षेत्र का है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के मुताबिक शाही थाना क्षेत्र के अमौर गांव में रहने वाले तीनों दोस्त दीपक, मनोज और योगेश बसावनपुर गांव में लगने वाला दिवाली मेला देखने के लिए घर से निकले थे। तीनों एक ही बाइक पर सवार थे. बाइक दीपक चला रहा था। बताया जा रहा है कि उन्होंने हेलमेट भी नहीं लगा रखा था. जैसे ही उनकी बाइक शाही-शेरगढ़ रोड पर खजुरिया चौराहे के पास हनुमान मंदिर के नजदीक पहुंची, अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गई।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि खंभे पर लगा बिजली का तार टूटकर जमीन पर गिर गया। वहीं तीनों युवक बाइक से उछलकर सड़क किनारे खाई में जा गिरे। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। वहां से गुजर रहे राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। थानाध्यक्ष आशुतोष द्विवेदी के मुताबिक हादसे में गंभीर रूप से घायल दीपक (24) और मनोज (23) ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया. वहीं योगेश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एसएसपी अनुराग आर्य ने 122 दरोगाओं के कार्यक्षेत्र बदले

शहर से देहात तक पुलिसिंग रीसेट

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो) जिले में कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त और अपराध नियंत्रण को धारदार बनाने के लिए एसएसपी अनुराग आर्य ने पुलिस महकमे में अब तक की सबसे बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की है। एसएसपी ने एक साथ 122 उपनिरीक्षकों (दरोगाओं) के तबादले कर दिए हैं। इस फेरबदल की धमक शहर की कोतवाली से लेकर देहात के सीमावर्ती थानों तक सुनाई दे रही है।

प्रमुख बदलाव और नई तैनातियां- वरिष्ठ उपनिरीक्षक = श्रीनिवास को कैंट से भमौरा, धर्मेंद्र सिंह को शीशगढ़ से कोतवाली, राजकुमार को भोजीपुरा से इज्जतनगर, धर्मेंद्र कुमार को इज्जतनगर से आंवला और धर्मपाल सिंह को आंवला से मीरगंज का वरिष्ठ उपनिरीक्षक बनाया गया है।

चौकी प्रभारी= अनूप सिंह कुतुबखाना से आंवला कस्बा चौकी भेजे गए। राजा भारद्वाज (बैरियर-1) को बिहारीपुर चौकी मिली, जबकि बिहारीपुर से रोहित तोमर को बल्लिया चौकी (भमौरा) भेजा गया है। महिला उपनिरीक्षक= भारती रानी, प्रियंका, कोमल कुंडू, ज्योति त्यागी, रिंकी यादव, साक्षी शर्मा और पायल रानी समेत कई महिला दरोगाओं को महिला थाने व अन्य थानों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

देहात और शहर का नया खाका= बारादरी, इज्जतनगर, सीबीगंज, कैंट से लेकर बहेड़ी, फरीदपुर, नवाबगंज और मीरगंज तक सभी महत्वपूर्ण थानों में तैनाती का नया समीकरण तय किया गया है।

एसएसपी के इस कदम का सीधा संदेश साफ है-नई तैनाती के साथ दरोगाओं को अपराध नियंत्रण, त्वरित कार्रवाई और जनता की शिकायतों के निस्तारण में तुरंत नतीजे दिखाने होंगे।

मीरगंज चीनी मिल में पेराई सत्र का भव्य शुभारंभ

पहली ट्रॉली लाने वाले किसानों को कंबल देकर किया सम्मानित



@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। (ब्यूरो) मीरगंज। फॉरएवर ग्लोबल एंटरप्राइजेज लिमिटेड मीरगंज में पेराई सत्र का विधिवत शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार और हवन-पूजन के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य यजमान चीनी मिल के उपाध्यक्ष विजयवीर सिंह रहे। इस दौरान मिल अध्यक्ष अनीश मोदी, निदेशक तन्मय मोदी, विक्रम सराफ व बिजनेस हेड संदीप शर्मा सहित मिल प्रबंधन मौजूद रहा।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी अविनाश सिंह, सांसद छत्रपाल गंगवार, विधायक डी.सी. वर्मा, राज्यसभा सांसद श्रुति गंगवार, एसडीएम निधि शुक्ला और जिला गन्ना अधिकारी दिलीप सैनी ने शिरकत की। अतिथियों ने कांटा पूजन किया और कैरियर में गन्ना डालकर पेराई सत्र का उद्घाटन किया।सत्र की पहली गन्ना ट्रॉली लेकर पहुंचे किसान संतरा देवी , विकास सिंह और कामता प्रसाद की तुलाई कर उन्हें कंबल भेंट कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, ब्लॉक प्रमुख गोपाल कृष्ण गंगवार, भूपेन्द्र कुर्मी सहित भारी संख्या में किसान मौजूद रहे। मिल प्रबंधन ने किसानों को आश्वस्त किया कि उनके हितों और सुचारु गन्ना आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। वरिष्ठ महाप्रबंधक गन्ना प्रदीप कुमार ने सभी का आभार जताया।

भैया दूज पर बहनों ने भाइयों को लगाया तिलक, भाई-बहन के स्नेह का दिखा भाव



@ क्यूँ न लिखूँ सच

फतेहगंज पश्चिमी। फतेहगंज पश्चिमी के ब्लॉक क्षेत्र के गांवों से लेकर कस्बे तक भैया दूज का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में उत्साह का माहौल रहा। बहनों ने थाली सजाकर भाइयों के माथे पर रोली-अक्षत का तिलक लगाया, आरती उतारी और उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। भाइयों ने बहनों के पैर छूकर आशीर्वाद लिया और उन्हें मिठाई, उपहार व नकद देकर खुश किया।इस दौरान घर-घर में पकवान बने और रिश्तेदारों का आना-जाना लगा रहा। दूर-दराज से बहनें भाइयों से मिलने पहुंचीं, जिससे भाई-बहन के प्रेम का भाव देखने को मिला। भैया दूज पर्व पर ई-रिक्शा व ऑटो रिक्शा चालकों ने आने-जाने वाले भाई-बहनों को उनकी मंजिल तक पहुंचाया। कस्बे के मुख्य बाजार में मिठाई, फूल और उपहार की दुकानों पर दिनभर भीड़ रही।

पर्व को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए कस्बा चौकी प्रभारी आदेश कुमार ने फोर्स के साथ बाजार और प्रमुख स्थानों पर गश्त की।

बेहद उत्साहित और भावुक दिखाई दिये पूर्व छात्र



@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी डॉ0 देवेन्द्र पाल सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज में दीपावली स्नेह पूर्व छात्र मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदीप गुप्ता प्रान्त संगठन मंत्री मेरठ प्रान्त, अक्षी अग्रवाल सह मंत्री भारतीय शिक्षा समिति, तरुण बाटला प्रान्त संयोजक पूर्व छात्र परिषद), उपेंद्र कुमार शर्मा सम्भाग निरीक्षक मुरादाबाद सम्भाग, कृष्ण कुमार गोयल कार्यक्रम अध्यक्ष, अंकित गुप्ता वरिष्ठ प्रबंधक भेल हरिद्वार), परवेंद्र अभियंता रेलवे आदि ने किया। नवनीत कुमार प्रधानाचार्य सरस्वती विद्या मंदिर सी0 से0 स्कूल, चांदपुर, रामवीर प्रधानाचार्य लक्ष्मण सरस्वती शिशु मंदिर, बिलारी, विशाल क्षात्रा प्रबंधक, डॉ0 विवेक सिंह उपाध्यक्ष, निखिल अग्रवाल कोषाध्यक्ष, ध्रुव शर्मा सदस्य,संजीव सिंह, अभिषेक राठौर,ललित चौधरी, लवली यादव, संगीता आदि पूर्व छात्र भईया बहन उपस्थित रहे। प्रदीप गुप्ता ने सभी भईया बहनों को विद्या भारती के बारे में अवगत कराया एवं तरुण बाटला ने पूर्व छात्र परिषद के बारे में जानकारी साझा की। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य शीतल प्रताप सिंह ने विद्यालय की विजय यात्रा के बारे में सभी को बताया। कुछ पूर्व छात्र भईया बहनों ने अपने अनुभव और अपने विचारों को साझा किया। सभी अपने विद्यालय में पुनः आकर बेहद उत्साहित और भावुक दिखाई दिए। इस कार्यक्रम में लगभग 350 पूर्व छात्र भईया बहनों की उपस्थिति रही। अंत में विद्यालय के अध्यक्ष विनय कुमार लोहिया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

उल्लास से मनाया भैया दूज का पर्व, मिठाई की बंपर खरीदारी, सड़कों पर रहा रश



@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । भैया दूज का त्यौहार श्रद्धा और उल्लास पूर्वक मनाया गया। बहनों ने भाइयों के मस्तक पर तिलक लगाकर उन्हें मिष्ठान खिलाया, श्रीफल (नारियल गोला) भेंटकर उनके स्वस्थ और समृद्ध जीवन के लिए कामना की।

भाइयों के साथ उनकी पत्नी और बच्चों को भी तिलक लगाकर आशीर्वाद दिया। छोटे बहन भाइयों में भी इस त्योहार को लेकर काफी खुशी और उत्साह देखा गया।

सवेरे से ही बहनों में इस पर्व को लेकर काफी उत्साह बना हुआ था। निजी वाहनों के अलावा बस और ट्रेनों से भी बहन भाई अपनी सुविधा अनुसार एक दूसरे के पास पहुंचे और गोवर्धन की आकृति वाले स्थान पर बहनों ने भाइयों को तिलक लगाया। भाइयों ने भी बहनों को उपहार आदि देकर सम्मानित किया। इस दौरान सड़कों पर भारी रश दिखाई दिया, पेट्रोल पंप, बसों, मिष्ठान की दुकानों और श्रीफल खरीदने को किराने की दुकानों पर खूब भीड़ लगी रही। ज्ञात रहे दीपावली पर पांच पर्व की श्रृंखला में भैया दूज अंतिम श्रृंखला होती है अर्थात एक सप्ताह तक चलने वाला त्यौहार है।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर आईटीएम डिग्री कॉलेज में विचार गोष्ठी, मौलाना अबुल कलाम आजाद की सेवाओं पर रोशनी डाली



@ क्यूँ न लिखूँ सच

कुन्दरकी । राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर आईटीएम डिग्री कॉलेज, कुन्दरकी में भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री एवं स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की जयंती के उपलक्ष में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में शिक्षा के महत्व, उसके सामाजिक योगदान तथा देश के विकास में उसकी भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। सर सैयद अहमद एजुकेशन सोशल वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष आरिफ़ पाशा एडवोकेट ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आज़ाद ने 1947 में मुल्क के बंटवारे के समय पाकिस्तान जाने वाले मुसलमानों से कहा था कि आपका मुल्क हिंदुस्तान है यहां की मिट्टी आपको आवाज़ दे रही है ताजमहल, कुतुब मीनार, लाल किला आपकी पहचान है इस मुल्क की मिट्टी में आपके बुजुर्गों की कब्रें है उन्होंने कहा देश में शिक्षा के प्रसार और शैक्षिक संस्थानों के विकास के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका मानना था कि शिक्षा प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है और शिक्षित समाज ही एक मजबूत एवं विकसित राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि इंसान के व्यक्तित्व, विचारों और चरित्र को बेहतर बनाने का आधार भी है।

आईटीएम डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ मोहम्मद उजैर ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा दिवस हमें शिक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने और समाज के प्रत्येक वर्ग तक शिक्षा पहुंचाने का संदेश देता है। इंतिखाब आलम ने अपने विचारों में मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के जीवन, संघर्ष और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि आज़ाद साहब का शैक्षिक और वैचारिक योगदान देश की आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। समर रजा रिजवी ने कहा मौलाना अबुल कलाम आजाद ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के रूप में अपनी सेवाएं देश को दीं उनकी सेवाओं के लिए ही उनको भारत रत्न दिया गया था। गोष्ठी का संचालन क़मर कुन्दरकीवी ने किया। उन्होंने संचालन के दौरान शिक्षा को समाज में जागरूकता, आपसी भाईचारे और तरक्की का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम बताया।कार्यक्रम के अंत में बीए, बीएससी, बीकॉम की मेधावी छात्राओं एवं छात्रों को मौलाना आजाद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

सौहार्द की मिसाल-पैंतीस वर्षों से शांति बहन मुंह बोले भाई हबीबुर्रहमान सनी को बांधती है राखी और करती हैं भैया दूज

कुंदरकी । जिस तरह हमारे समाज में लोग बहुत मीठी मलाईदार दूसरों को खुश करने वाली आदर्शवादी सत्यवादी बातें करते हैं यदि उन बातों को व्यवहार में भी लाएं तो समाज और अच्छा बन जाएगा परंतु कथनी और करनी में समानता बहुत कम ही देखने को मिलती है इसी के अपवाद स्वरूप क्षेत्र में साढ़े तीन दशक से जन जागरूकता, बालिका शिक्षा पर काम कर रहे हबीबुर्रहमान सनी वर्षों से सामाजिक सौहार्द का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं कि मुंह बोली हिंदू बहन से रक्षाबंधन पर रखी बंधनवाते हैं और भैया दूज पर तिलक करवाते हैं। पैंतीस वर्ष पूर्व समाज सेवी एच आर सनी ग्राम फ़रेदी ब्लॉक कुंदरकी मुरादाबाद में स्वयं सहायता समूह के गठन के लिए गये थे वहाँ उन्हें शान्ति बहन मिलीं जिनके दो जवान भाइयों की मौत हो चुकी है जिस कारण वो बहुत उदास रहती थीं उन्हें अपने भाइयों की बहुत याद आती थी तभी एच आर सनी ने अकस्मात् उन्हें बहन कह कर बुलाया तो उनके आँसू निकल पड़े उसी दिन से भाई बहन का अटूट और पवित्र रिश्ता क़ायम हो गया एक मुसलमान भाई ने हिंदू बहन का सगे भाई से ज़्यादा ख़्याल रखा और पिछले पैंतीस वर्षों से भाई बहन का पवित्र रिश्ता बना हुआ है दोनों सुख दुःख में एक दूसरे के साथ खड़े हैं रक्षा बंधन हो या भाई दूज शान्ति बहन अपने मुसलमान भाई को टीका करना नहीं भूलतीं। यहां किन्हीं महापुरुष की दो लाइन याद आती हैं- इंसानियत ही पहला धर्म है इंसान का, ,,,फिर पन्ना खुलता है गीता और कुरान का।।



श्री राधा रमन समिति ने किया श्री हरि नाम का कीर्तन

बिलारी @ क्यूँ न लिखूँ सच । श्री राधा रमन समिति के



श्रद्धालु भक्तों ने नगर के प्राचीन रायसती् मंदिर पर श्री हरि नाम संकीर्तन के भजनों परन् नृत्य के साथ आनंद लिया। श्री राधा रमन समिति के श्रद्धालु भक्तों ने देर रात्रि तक राधा कृष्ण के भजनों पर नृत्य कर भगवान के चरणों में अपनी अरदास लगाई। रवि रस्तोगी बाजे के साथ एवं सौरभ ढोलक की ताल पर सभी भक्तों ने राधा नाम का जाप कर नृत्य किया।इस मौके पर सचिन गौरव, राम गुप्ता, असित गुप्ता, मनोज गुप्ता, माधव गुप्ता, रामकिशोर गुप्ता, विक्रांत सिंह एडवोकेट, पंकज गुप्ता, अमित गुप्ता, विनोद गुप्ता, संजीव गुप्ता, नरेश गुप्ता, संदीप गुप्ता, तिलक राज चांदना सहित राधा कृष्ण भक्तों ने भाग लिया। इस मौके पर भक्तों ने मिष्ठान और किशमिश का प्रसाद वितरण किया।

ससुराल गए युवक को गाली गलौज कर पीटा, धमकी

फतेहगंज पश्चिमी। में ससुराल गए युवक ने गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।गांव मीरापुर निवासी गुलशन पुत्र श्रीराम लाल ने प्रभारी निरीक्षक को दिए आवेदन में बताया कि 9 नवंबर को शाम करीब 8 बजे वह अपनी ससुराल, ग्राम भिटौली नगला गया था।गुलशन के मुताबिक, वहां के विक्की पुत्र डालचंद ने बिना किसी बात के गालियां दीं। गुलशन ने जब उसे रोकने की कोशिश की, तो विक्की ने लात-घूंसों और डंडे से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। थाना प्रभारी प्रवीन कुमार ने बताया कि गुलशन की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

विधायक ने टीन सेड का किया उद्घाटन

@ क्यूँ न लिखूँ सच



कालपी जालौन -(नीरज कुमार) नगर मोहल्ला तरीबुल्दा स्थित पथिक आश्रम समीप मंगलवार के दिन कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी ने नव निर्मित टीन सेड का फीता काटकर उद्घाटन करते हुए उद्घाटन समारोह में कहा कि महंत एवं भक्त जनों ने टीन सेड की जो मांग मुझ से की थी वह मांग मैंने पुरी की है तथा कई धर्म स्थलों का विकास कराया है तथा सदैव विकास के लिए अग्रसर रहूंगा महंत अच्छया नंद ने अपने उद्बोधन में भगवान राम बिचरण की कथा का उल्लेख करते हुए विस्तार से बताया समारोह मे पूर्व बार संघ अध्यक्ष जय किशोर कुलश्रेष्ठ सिद्धन बाबू पंडित राम श्याम महाराज कुलदीप शुक्ला अधिवक्ता रविंद्र श्रीवास्तव विवेक निगम समेत सभी ने अपने विचार प्रकट किये मौजूद लोगों ने विधायक का माल्यार्पण कर अभूतपूर्व स्वागत किया समारोह का संचालन ज्ञानेंद्र मिश्रा ने किया मौके में नरेंद्र तिवारी विष्णु वल्लभ चसोलिया मनोज चतुर्वेदी रमेश मिश्रा संदीप गुप्ता अतुल गुप्ता सिंटू संजय सोनकर शरद शुक्ला अरविंद शर्मा पूर्व सभासद सुनील गुप्ता बृजेश शास्त्री प्रेम कुमार गुप्ता देवेंद्र गुप्ता विनीत गुप्ता जीतू यादव आदि लोग उपस्थित थे।

फोटो विधायक महंत एवं भक्तगणों की मौजूदगी में टीन सेड का उद्घाटन करते हुएं

शिवपुरी पुलिस की कार्रवाई: एनडीपीएस एक्ट के दो मामलों में फरार 2 हजार का इनामी स्थाई वारंटी गिरफ्तार

घर पर दबिश देकर देहात थाना पुलिस ने पकड़ा, न्यायालय में किया पेश

@ क्यूँ न लिखूँ सच



शिवपुरी। जिले में फरार आरोपियों एवं स्थाई वारंटियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत देहात थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के मामलों में फरार चल रहे 2 हजार रुपये के इनामी स्थाई वारंटी पिंकू उर्फ राजेश सोनी (25) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को 11 नवंबर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी पिंकू उर्फ राजेश सोनी पुत्र दयाराम सोनी निवासी झिरिया मंदिर रोड, कमलागंज शिवपुरी के विरुद्ध न्यायालयीन प्रकरण क्रमांक 04/2023 एवं अपराध क्रमांक 307/2022 में धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई से संबंधित स्थाई वारंट जारी था। आरोपी की गिरफ्तारी पर 2 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति एवं नगर पुलिस अधीक्षक सचिन कुमार धुर्वे के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे अभियान के दौरान देहात थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि फरार वारंटी अपने घर पर मौजूद है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विकास यादव सहित प्रधान आरक्षक देवेंद्र सेन, सतीश चौधरी, राजेश पाठक, आरक्षक वासुदेव यादव, प्रमोद कुशवाह एवं सैनिक कैलाश की सराहनीय भूमिका रही।

तीन दिवसीय दौरे पर आज शिवपुरी पहुंचेंगे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विकास कार्यों की देंगे सौगात



12 से 14 नवंबर तक शिवपुरी, कोलारस और पिछोर में रहेंगे सक्रिय; लोकार्पण-भूमिपूजन, खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ और जनसंवाद कार्यक्रमों में होंगे शामिल

शिवपुरी। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया तीन दिवसीय प्रवास पर 11 नवंबर की रात शिवपुरी पहुंचेंगे। 12 से 14 नवंबर तक उनके दौरे के दौरान जिले को विभिन्न विकास कार्यों की सौगात मिलेगी। इस दौरान वे शिवपुरी, कोलारस और पिछोर क्षेत्र में सड़क, पुल सहित विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। साथ ही खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ, युवा संवाद और जनसंपर्क कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, शिवपुरी पहुंचने के बाद सिंधिया शहर के ठंडी सड़क, महल कॉलोनी, विजयपुरम एवं झांसी रोड क्षेत्र में नागरिकों से सौजन्य भेंट करेंगे। इसके बाद वे टूरिस्ट विलेज में रात्रि विश्राम करेंगे।

राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का करेंगे शुभारंभ- 12 नवंबर को सुबह श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 70वीं राष्ट्रीय विद्यालयीन एथलेटिक्स चैंपियनशिप (अंडर-17 बालक-बालिका) एवं अंडर-18 अंतर-जिला क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद कोलारस क्षेत्र के सेसई सड़क, भदौता और सिंहराई माता मंदिर क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। रन्नौद, अजलेश्वर और केलधार स्थित कपिल मुनि आश्रम क्षेत्र में भी स्थानीय कार्यक्रमों के साथ सड़क एवं पुल निर्माण कार्यों का भूमिपूजन प्रस्तावित है। शाम को नक्षत्र गार्डन में युवा संवाद तथा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स एवं कलाकारों से चर्चा करेंगे।13 नवंबर को पिछोर और खोड़ क्षेत्र में रहेंगे- दौरे के दूसरे दिन 13 नवंबर को सिंधिया रॉबर्टसन रोड पर विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। इसके बाद नवीन स्थानांतरित फल मंडी का भ्रमण कर व्यापारी संघ से चर्चा करेंगे। ग्राम भौंती और पिछोर में कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद गणेश खेड़ा एवं खोड़ पहुंचेंगे। खोड़ स्थित धाय महादेव मंदिर में दर्शन तथा मनपुरा में स्थानीय कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। शाम को मेडिकल कॉलेज के पास प्रस्तावित रैन बसेरा का भूमिपूजन करेंगे और नक्षत्र गार्डन में जिला कार्यकारिणी की बैठक में शामिल होंगे। इसके अलावा मनियर टोल टैक्स, साईंपुरा एवं चिंताहरण मंदिर क्षेत्र में भी स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगे। माधो महाराज जयंती कार्यक्रम में होंगे शामिल- 14 नवंबर को दौरे के अंतिम दिन केंद्रीय मंत्री माधव चौक पर आयोजित माधो महाराज जयंती कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद जनसंपर्क कार्यालय में जनसंपर्क करेंगे। तत्पश्चात कोलारस स्टेडियम में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा लोहादेवी मंदिर क्षेत्र में विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करेंगे। कार्यक्रमों के समापन के बाद वे ग्वालियर के लिए रवाना होंगे।

सिंधिया के इस तीन दिवसीय प्रवास को जिले के विकास कार्यों, खेल गतिविधियों और जनसंपर्क के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के पिछोर दौरे को लेकर प्रशासन अलर्ट, कलेक्टर-एसपी ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

@ क्यूँ न लिखूँ सच



13 नवंबर को प्रस्तावित आगमन की तैयारियों का लिया जायजा, छत्रसाल स्टेडियम और हेलीपैड की सुरक्षा व्यवस्था पर दिए आवश्यक निर्देश पिछोर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के 13 नवंबर को प्रस्तावित पिछोर दौरे को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में बुधवार को कलेक्टर अर्पित वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया ने पिछोर पहुंचकर कार्यक्रम स्थल और हेलीपैड की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने छत्रसाल स्टेडियम एवं हेलीपैड स्थल का जायजा लेते हुए सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस बल की तैनाती और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान पिछोर विधायक सहित पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा कर वीआईपी सुरक्षा, कार्यक्रम स्थल की निगरानी और कानून व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ सभी तैयारियां समय सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए प्रशासनिक अमला पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है। कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

चुनाव आते ही अखिलेश को याद आया सनातन धर्म, मंत्री राजभर ने अयोध्या में दर्शन नहीं करने पर उठाए सवाल



यूपी सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव के अयोध्या दौरे को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव आते ही उन्हें अयोध्या की याद आ रही है।

उत्तर सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने बुधवार को सर्किट हाउस में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव पांच साल तक मुख्यमंत्री रहे, लेकिन अयोध्या के विकास के लिए क्या किया। अब चुनाव नजदीक आते ही उन्हें सनातन धर्म और हिंदुत्व की याद आने लगी है। राजभर ने आरोप लगाया कि सपा सरकार के दौरान हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़ी गई थी। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव काशी, अयोध्या और मथुरा गए, लेकिन दर्शन नहीं किए। अब उन्हें समझ आ रहा है कि केवल मुस्लिम और यादव मतदाताओं के सहारे राजनीति नहीं की जा सकती।उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि दुविधा में दोनों गए, माया मिली न राम। राजभर ने सपा के पीडीए और ब्राह्मण सम्मेलन को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने पार्टी में अनुशासन की स्थिति पर भी टिप्पणी की। अखिलेश यादव को छह दिसंबर को अयोध्या जाकर रामभक्तों से माफी मांगने की सलाह दी।। जाने की तारीख बताने की चुनौती दी।बसपा प्रमुख मायावती, चंद्रशेखर आजाद और असदुद्दीन ओवैसी के संभावित गठबंधन पर राजभर ने दावा किया कि इससे एनडीए को फायदा हो सकता है। रामअचल राजभर से जुड़े मामलों में उन्होंने शिवपाल यादव को 150 करोड़ रुपये दिए जाने और फाइलें दबाने का आरोप भी लगाया। इन आरोपों के समर्थन में उन्होंने कोई दस्तावेज पेश नहीं किया।

संक्षिप्त समाचार

लाला हरदौल मौन समाज दीपावली नृत्य कार्यक्रम

@ क्यूँ न लिखूँ सच



कोच जिला जालौन गोखले नगर ब्राह्मण महासभा के पास एक ऐसी दिवाली नृत्य छोटे-छोटे बच्चों के साथ होती है जिसमें दिवाली पूजन के बाद जो भी छोटे-छोटे कलाकार अपनी-अपनी मोहन धारण करके एक तीर्थ स्थान पर जाते हैं और वहां स्नान ध्यान करके मोहन खोलने के बाद वापस पुणे जब घर लौटते हैं तो दूसरे दिन ध्वज को पूरे नगर में नाच गाकर धूमधाम से इस दिवाली का उत्सव मनाते हैं जैसे कि मथुरा वृंदावन में राधा कृष्ण नंद यशोदा बाकी ग्वाल वालों ने दीपावली का उत्सव मनाया था जिसकी मैं मुख्य संरक्षक राम प्रकाश राठौर राजू यादव वह मनोज प्रजापति वी रामबाबू प्रजापति वी पप्पू झरिया कुशवाहा बाकी नन्हे मुन्ने छोटे-छोटे दिवाली वाले कलाकार उनके नाम है रुद्रांश आदित्य भरे कृष्ण छोटू विश्वकर्मा विकास गुड्डन सुमित प्रजापति इत्यादि नन्हे मुन्ने छोटे कलाकारों के साथ इस दिवाली का आनंद लिया गया

बैराड़ में कार से स्टंट करना और तेज रफ्तार से वाहन चलाना पड़ा भारी, पुलिस ने काटा 5 हजार का चालान

वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करने और खतरनाक तरीके से ड्राइविंग करने पर पुलिस की कार्रवाई, चालक को दी दोबारा गलती न करने की हिदायत



बैराड़। सड़क पर तेज रफ्तार से वाहन दौड़ाना और कार से स्टंट करना एक चालक को भारी पड़ गया। बैराड़ थाना पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर कार चालक के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 5 हजार रुपये का चालान काटा। साथ ही चालक को भविष्य में इस तरह की लापरवाही नहीं करने की सख्त हिदायत दी। पुलिस के अनुसार, 10 नवंबर की रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की कार का चालक खतरनाक तरीके से तेज गति में वाहन चला रहा है। आरोप है कि चालक वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करने के साथ कार से स्टंट भी कर रहा था। सूचना पर थाना प्रभारी रवि चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और वाहन को रोककर कार्रवाई की। यातायात नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार का 5 हजार रुपये का चालान किया गया। पुलिस ने वाहन चालक को भविष्य में इस प्रकार की गलती नहीं दोहराने की समझाइश भी दी। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति एवं एसडीओपी पोहरी आनंद राय के मार्गदर्शन में की गई। इनकी रही भूमिका- कार्रवाई में थाना प्रभारी रवि चौहान, प्रधान आरक्षक राहुल सिंह, आरक्षक अतर सिंह, ज्ञान सिंह, राजेन्द्र प्रसाद, धर्मेन्द्र रावत एवं चालक आरक्षक मनीष परिहार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ट्रैक्टर खड़ा करने को लेकर विवाद, युवक समेत तीन लोगों को लाठी-डंडों से पीटा

फतेहगंज पश्चिमी। घर के पास खाली पड़ी जमीन पर ट्रैक्टर खड़ा करने को लेकर हुए विवाद में एक युवक और उसकी दो बहनों को लाठी-डंडों से पीटकर घायल कर दिया गया।

पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने इकबाल, उसके बेटे वसीम और अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गांव सतुइया खास निवासी मोनू कुमार पुत्र छत्रपाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके घर के पास खाली पड़ी जमीन उसके चाचा की है।

इस जमीन पर परिवार के लोग अपने ट्रैक्टर खड़े करते हैं। आरोप है कि 10 नवंबर को दोपहर करीब दो बजे उसका भाई खेत की जुताई कर घर लौटा था। खाना खाने के बाद वह ट्रैक्टर खड़ा करने लगा।

इसी दौरान गांव के इकबाल, उसका बेटा वसीम और उनके कुछ रिश्तेदार वहां पहुंच गए। उन्होंने ट्रैक्टर हटाने को लेकर विवाद शुरू कर दिया।

आरोप है कि भाई ने खाना खाने के बाद ट्रैक्टर हटाने की बात कही तो आरोपितों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। शोर सुनकर बीचबचाव करने पहुंचीं मोनू की बहन लक्ष्मी और छाया को भी पीटकर घायल कर दिया। आरोपित परिवार को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से चले गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

Floor Cleaning Tips: Make a Natural Floor Cleaner at Home, Marble and Tiles Will Shine

Many types of floor cleaners are available in the market to keep your floors clean and shiny. However, you can also make a floor cleaner at home using some simple household ingredients. Even after daily cleaning, floors often lose their shine. Additionally, flies, mosquitoes, and ants are a common problem in the home. To ensure better floor cleaning, you can prepare a homemade floor cleaner using some common household items. This can help remove dirt and grime from floors and also leave your home smelling fresh. To make a natural floor cleaner at home, you need the following ingredients: 2 naphthalene balls, 2 small pieces of camphor, 2 teaspoons of white salt, a handful of neem leaves, 4 glasses of lukewarm water. How to Make a Floor Cleaner at Home: To prepare the floor cleaner, first add neem leaves to 3 glasses of water and boil for 8 to 10 minutes. After this, let the water cool slightly. Coarsely grind the naphthalene balls and camphor. Pour lukewarm neem water into an old plastic or glass container. Add the crushed naphthalene balls, camphor, and white salt and stir thoroughly for 1 to 2 minutes. Then, add a glass of lukewarm water to the mixture and mix everything thoroughly. This way, your homemade floor cleaner is ready. Use it on the floor to clean every corner of the house: Whenever you need to clean the floor, first fill a mop bucket with water. Then, add 1 to 2 capfuls of the prepared cleaner to it. Now, mop the entire house with this water as usual. Benefits of cleaning floors with this homemade cleaner: The scent of camphor keeps the house fragrant. The properties of neem help in cleaning and keep mosquitoes, flies, and ants away. This floor cleaner is prepared at home at a low cost. When used daily, the floor looks clean and shiny.



Travel: If you're looking for something different from Manali and Shimla this winter, consider these places in Himachal.

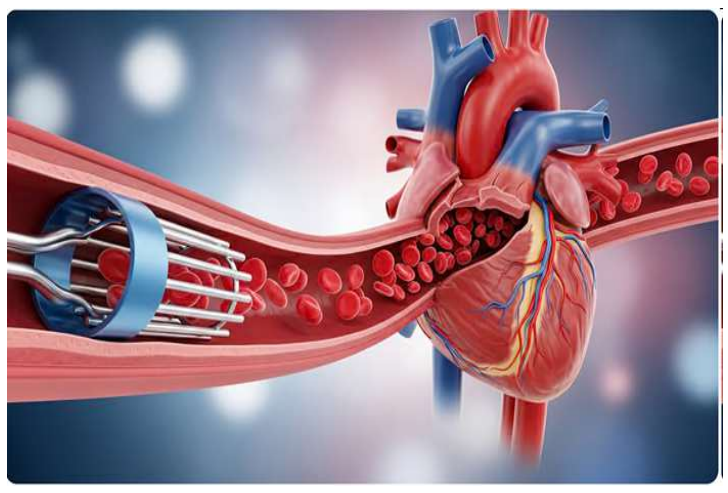
If you're looking for a quiet, beautiful winter vacation away from the crowds, you can consider some of Himachal Pradesh's offbeat destinations. As winter begins, a large number of people begin planning trips to the hills. Snow-capped mountains, tall pine trees, and cool breezes attract tourists. However, during winter vacations, popular tourist destinations like Manali and Shimla are overcrowded, making a relaxing vacation difficult. If you're looking for a quiet, beautiful place away from the hustle and bustle, explore Himachal Pradesh's offbeat destinations. There are many places where you can enjoy the snow-capped mountains, beautiful natural scenery, and the simplicity of hill villages. These destinations can also be planned for a trip with family, friends, or a partner. Let's explore five such beautiful and serene places in Himachal Pradesh. 1. Jibhi - Located in the Kullu district of Himachal Pradesh, Jibhi is known for its picturesque wooden huts, waterfalls, and dense forests. The small cottages and cafes nestled among the mountains are a tourist attraction. During the winter season, Jibhi's beauty is further enhanced after snowfall. Here, you can stay with friends or a partner in a cozy homestay, enjoying the beautiful mountain views and spending relaxing moments in the serene atmosphere. 2. Shozha - Located in the Kullu district of Himachal Pradesh, Shozha is a beautiful and tranquil hill village. It is known for its dense forests, apple orchards, and breathtaking



mountain views. If you're looking for a quiet vacation away from the crowded hill stations, you can plan a trip to Shozha. During the winter season, when it snows, the trees and houses are covered in a white blanket of snow, making the surrounding landscape truly beautiful. Here, you can stay in a comfortable homestay nestled in the mountains and spend peaceful moments amidst nature. 3. Tirthan Valley - Located in the Kullu district of Himachal Pradesh, Tirthan Valley is an excellent choice for tourists who prefer a serene mountain vacation. This place is famous for the Tirthan River, dense forests, and beautiful small villages. The Great Himalayan National Park is also located nearby. During the winter season, the number of tourists is relatively low, allowing you to enjoy the natural scenery in peace. Staying in a homestay on the riverbank allows you to experience the beauty of the mountains and the serene atmosphere. The atmosphere here offers a chance to spend some peaceful moments away from the hustle and bustle of the city. 4. Chitkul - Located in the Baspa Valley of Kinnaur, Chitkul is considered one of the last inhabited villages in India. The high mountains, traditional wooden houses, and the flowing Baspa River further enhance the beauty of this place. The view here becomes absolutely captivating after snowfall in winter. If you're looking to spend a few days away from the hustle and bustle of the city, plan a trip to Chitkul. Here, you can wander the picturesque village streets and get a closer look at the local lifestyle and culture. 5. Kalpa - Located in the Kinnaur district of Himachal Pradesh, Kalpa is a beautiful winter destination. It offers breathtaking views of the snow-capped Kinner Kailash mountain range. During winter, the snow-capped mountains, apple orchards, and traditional wooden houses enhance the beauty of this place. If you're looking for a serene holiday amidst the mountains, consider visiting Kalpa. Here, you can observe Kinnauri architecture up close and personal, as well as visit the nearby Rogi village.

Alert: Can heart arteries become blocked despite rinsing and exercise? Learn the hidden truth about heart health.

Being physically fit doesn't guarantee complete protection against heart disease. The story of a 48-year-old marathon runner shows that serious blockages in the heart arteries can occur even without symptoms. Learn about silent ischemia, family history of heart disease, and its risk factors. When it comes to heart health, it's always recommended to focus on fitness. For example, if you are physically fit, exercise daily, and engage in exercises like running and walking, it is considered good for heart health. Now, the question is: can someone who runs a marathon and exercises for hours every day still develop blockages in their heart arteries? While it may sound surprising, this is exactly what happened to a fit 48-year-old marathon runner. He had no chest pain, no shortness of breath, or any other obvious signs of heart disease. But due to a family history of heart disease, when he had his heart checked, the results shocked him. He found severe blockages in all four major arteries, requiring bypass surgery. This case demonstrates that fitness and heart health are not always the same. How can such severe blockages occur without any symptoms? Let's explore this further. A case of a marathon runner's heart blockage - A report published on an English website describes this case. A heart checkup of a 48-year-old marathon runner from Bangalore revealed 75 to 90 percent blockage in all four major arteries. At 48, he appeared completely healthy and fit. He didn't have common signs of heart problems like chest pain, shortness of breath, or heart problems. When his older brother underwent angioplasty, understanding the dangers of his family history, he also had his heart checked. The test results shocked him: he had blockages in all four major arteries. The condition was so serious that doctors recommended bypass surgery instead of angioplasty. This incident also raises a crucial question: how can a person remain asymptomatic despite such severe blockages in the heart's arteries? Learn about this function of the heart: Health experts explain that the heart isn't just a blood-pumping organ; it also has the unique ability to increase its capacity as needed. This is called the heart's reserve capacity. Normally, at rest, the heart pumps about 5 liters of blood per minute to meet the body's needs. However, when we run or engage in strenuous physical activity, the body requires more oxygen. In such situations, the heart can increase its pumping capacity many times over. In some athletes who train regularly, this capacity can reach 35 to 45 liters per minute. This additional capacity of the heart often prevents early symptoms from appearing despite blockages in the arteries. The risk of silent ischemia: A serious condition associated with heart disease is called silent ischemia. Simply put, when the heart muscle doesn't receive enough oxygen-rich blood, it's called ischemia. This is usually caused by narrowing or blockage in the heart's arteries. Normally, when the heart doesn't receive enough blood, the patient may experience chest pain, pressure, or discomfort. However, this isn't necessarily the case with silent ischemia. In this case, the heart muscle isn't receiving enough blood, yet the person doesn't experience chest pain or any obvious warning signs. Diabetics are at even greater risk for this condition. Prolonged high blood sugar can damage the body's nerves, including those that transmit pain signals to the brain. Therefore, diabetic patients can develop serious heart problems even without chest pain. This is why they should be especially vigilant about their heart health. The biggest lesson from this 48-year-old marathon runner's story is that one shouldn't wait for symptoms like chest pain or shortness of breath to diagnose heart disease. Simply looking fit or exercising daily doesn't completely eliminate the risk of coronary artery disease. Especially if there's a family history of heart disease at a young age, be sure to consult a doctor about your risk. How does heart blockage occur despite appearing fit? Heart blockage can occur because blockages in the heart's arteries develop slowly. Initially, the body receives adequate blood supply, so the patient may not experience any symptoms like chest pain, shortness of breath, or fatigue. Bad cholesterol accumulates on the inner walls of the arteries, forming plaque. This plaque can gradually narrow the blood flow. Blockages in the heart's arteries progress gradually. The body compensates for this for a time, so the patient doesn't experience problems during normal activities. At rest, the heart requires less blood, and even narrowed arteries can meet the body's needs. However, problems arise when the demand for blood and oxygen increases during strenuous activity or exercise. If a parent or sibling developed heart disease at a young age, your risk may also increase.



Kangana Ranaut's big statement: Calls Sonia Gandhi a mysterious foreign national, targets the Gandhi family's history

Kangana Ranaut has launched a scathing attack on senior Congress leader Sonia Gandhi. According to the actress, the foreign woman openly promoted a foreign agenda. In 2014, the Bharatiya Janata Party, led by Narendra Modi, won 282 seats. Actress and BJP MP Kangana Ranaut remains in the news for her statements. She has launched a scathing attack on senior Congress leader Sonia Gandhi. She questioned Sonia Gandhi's rise to political prominence and described the series of events surrounding the Gandhi family as a series of coincidences. What's in Kangana's post? On her Instagram story, Kangana wrote about Sonia Gandhi, "Everyone is talking about the Nvidia honey trap controversy. I have done a lot of research on Indian politics and the Gandhi family during the Emergency." I never understood how a mysterious foreign national came into the Gandhi family, then Indira Gandhi, Sanjay Gandhi, and Rajiv Gandhi—all potential heirs to power—were killed. Ultimately, only one option remained for power: that foreign national, Sonia Gandhi. Sonia ran the government for decades. Kangana further wrote, "People didn't even find it strange how so many coincidences came together. Moreover, that foreign woman openly promoted a foreign agenda and shed crocodile tears for terrorists. Yet, she continued to run the government for decades, until 2014." The 2014 BJP government was formed. It's worth noting that the 2014 general elections saw a major upset. The Bharatiya Janata Party, led by Narendra Modi, won 282 seats, and the NDA coalition formed the government. PM Modi was sworn in as Prime Minister. Meanwhile, the Congress won only 44 seats, ending the ten-year rule of the Congress-led coalition (UPA). Kangana Ranaut's Workfront



On the work front, Kangana Ranaut will next be seen in the lead role in the drama film "Bharat Bhagya Vidhata." The film is scheduled to release on June 12, 2026. The film aims to showcase the bravery and courage of healthcare workers during the 2008 Mumbai terror attacks.

Special on Bhai Dooj: "He makes me feel like a princess," Divya Dutta shares memorable stories about her brother

Actress Divya Dutta shared many memories of the festival of Bhai Dooj. She explained that she celebrates this special day with her brother with great planning. She also revealed what she calls her younger brother. during Diwali. No matter how busy misses the opportunity to meet and dressing up and meeting friends and Dooj. She takes her brother interview, Divya says, "When have a festive atmosphere. meeting everyone, dressing up, and joy." Along with work, there are tiring. So many things go on at once, and celebrating festivals with them her brother. Shopping for Divya is "I take my brother shopping. I tell left from Rakhi, we buy it on Bhai relationship is so special to me that Although my brother is younger, I way of pampering his sister. She Whether it's my birthday, Rakhi, or asks, 'Tell me, what do you want?' Our relationship is a bit odd." My brother is younger, but I call him Bhaiya. He makes me feel like a princess. His gestures make me feel very special. My brother remembered even my smallest preferences. Among the gifts she received from her brother, there's one that Divya hasn't forgotten to this day. She says, "Once, we were both window shopping. I found a pair of earrings really beautiful. I saw them, but gave up on buying them because they were expensive. I thought, let it be. But my brother remembered my preference. He gifted me those same earrings on Rakhi. I was so touched that he remembered even such a small thing. For me, the fact that he remembered my preferences means more than the gift itself." This is the first Diwali I haven't eaten sweets - Diwali is not only about shopping and socializing, but Divya's festival is also incomplete without sweets. She says, "I love sweets, but this is the first Diwali I haven't eaten sweets at all." But now I feel like a little cheating is in order between shoots. I love kheer. No matter what, I need a bite of something sweet. I also love Bengali sweets, especially rasgullas.



Divya Dutta loves the joy of seeing her home she is during the festive season, she never spend time with her loved ones. She loves family. She also has a special plan for Bhai shopping on this day. In an exclusive Diwali comes, it feels like it's important to Celebrating the festival with loved ones, getting ready to meet people...it has its own many social events. They're fun, but also quite yet I have no complaints. Meeting loved ones has its own joy." Divya said she shops with also a regular part of Bhai Dooj. She explains, him, 'This is right, let's buy this.' Whatever was Dooj. I always stay with my brother. This the more I celebrate it, the better it feels." call him Bhaiya. Divya's brother has his own says, "I love one thing about my brother. any special occasion, he holds my hand and

Mukesh Khanna slammed the makers, objected to Sai Pallavi's action scenes; questioned Anupam Kher

Mukesh Khanna has strongly criticized the film "Ramayana." On his YouTube channel, the actor questioned the makers. He also had a lot to say about actor Anupam Kher. Actor Mukesh Khanna often shares his candid opinions with fans through social media. This time, he spoke extensively about the recently released film "Ramayana." He expressed his views on Sai Pallavi's portrayal of Mother Sita in the film. He also questioned Anupam Kher's review. What did Mukesh say about the film? Mukesh Khanna strongly criticized the makers of "Ramayana" in his recent blog. He said, "Valmiki's Ramayana does not portray Mother Sita as a warrior. The makers have made the film based on their own imagination. It is regrettable that Hindu makers, from our own religion, Hindu, are tampering with religious texts just to make money." Although I haven't seen the film, I'm judging it based on reviews, public opinion, promos, and clips. I won't pay a ticket of 1,200 rupees to watch the film. I won't give the producer the film's earnings because producer Namit Malhotra has tampered with faith. "Mother Sita was not a warrior," Mukesh Khanna said on his YouTube channel. "There's no place in the Ramayana where Mother Sita fights. She's the wife of the post-mortem principal, and she's shown to be a service-oriented woman. She accepted exile with her husband. Sita never asked for royal court. She was never a fighter. If she were a fighter, she would have fought Ravana, her abductor." The producer said, "We took this scene from the Adbhut Ramayana. Now, what is this Adbhut Ramayana? The original Ramayana was written by Valmiki. The producer should show such courage in any other religion." What did Mukesh say about Anupam Kher? Further in his video, Mukesh Khanna criticized Anupam Kher's review of Ramayan. He said, "Anupam Kher had praised the film immensely. I was surprised to see the actor's review. But when I learned that Anupam had voiced the character of Jatayu in Ramayan, I understood why he was praising the film."

